

०१०१०

पञ्चवली पेश। पञ्चवली के श्रीलाल
 व श्रीमं. श्रीलाल को वर्षे बार कावाक
 दिलावे जय। बार-बार कावाक दिलावे
 के वावपुत्र उप. गवी। रे. ए. के श्रीमं.
 उप.। कतः पञ्चवली श्रीलाल व श्रीमं.
 श्रीलाल की जे. के प्रदत्त के कलम दाखी
 के कलम पेशी के खारिज की जाती है।
 पञ्चवली बार व श्रीलाल व श्रीमं. दाखी।